प्राचीन भारतीय इतिहास के साधन के रूप में पुराणों का वर्णन

July 2019

Saturday 13

प्राचीन भारत के इतिहास के निर्माण में पुराणों से बड़ी सहायता मिलती है। इसमें प्राचीन आर्यराजवंशों तथा राजाओं के चरित्र, अनुश्रुति तथा आख्यान संगृहीत हैं भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण पुराणों में मिलता है वस्तुतः पुराण प्रागैतिहासिक काल से मध्यकाल तक के शुद्ध ऐतिहासिक तथ्यों के अगाध भण्डार है।

पुराणों की संख्या अठारह है। इनके नाम क्रमशः इस प्रकार है।

(1) ब्रह्म पुराण (2) पद्म पुराण (3) विष्णु पुराण
(4) शिव पुराण (5) गरुड़ पुराण (6) नारदीय पुराण

Sunday 14

(7) भागवत पुराण (8) आग्नेय पुराण (9) स्कन्द पुराण
(10) भविष्य पुराण (11) ब्रह्मवैवर्त पुराण (12) मार्कण्डेय पुराण
(13) वामन पुराण (14) वराह पुराण (15) मत्स्य पुराण
(16) कौर्म पुराण (17) ब्रह्माण्ड पुराण (18) लिङ्ग पुराण

इन अठारह पुराणों में से केवल पाँच अर्थात मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्रह्मांड तथा भागवत पुराण ऐतिहासिक दृष्टि से महत्व रखते हैं इन ग्रंथों में प्राचीन आर्यों के वंशों तथा उनके चरित्रों का जो वर्णन है संगृहीत है वह इतिहास के लिए बड़ा उपयोगी है।